न ही राम कंही कम है न ही श्याम कही कम है

न ही राम कहीं कम है न ही श्याम कहीं कम है ।
पाप बड़ा तो नर तन धार के श्री हरी ने है जन्म लिया ॥

राम गए बन बनवासी, श्याम बसे मथुरा काशी।
दुष्टो का संघार करे, भाव से बेडा पार करे ।
'सीता राधा नहीं कम है न ही श्याम कहीं कम है ॥

धर्म ध्वजा फहराई है, महिमा वेद में पाई है ।
दर्श मनोहर पाते है,हम जिनको अपनाते है ।
धन में देख कहाँ दम है न ही श्याम कहीं कम हैं ॥

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2938/title/naa-hi-ram-kahi-kam-hai-naa-hi-shyam-kahi-kam-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |